प्रतिदर्श प्रश्न पत्र

(२०१६ - २०१७)

कक्षा - 12

हिंदी केन्द्रित

निर्धारित समय - ३ घंटे | अधिकतम अंक - 100

खंड क

(अपठित अंश)

१. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए 15

सभी धर्म हमें एक ही ईश्वर तक पहुंचाने के साधन है। अलग अलग रास्तों पर चलकर भी हम एक ही स्थान पर पहुंचते है। इसमें किसी को दुखी नहीं होना चाहिए। हमें सभी धर्मों के प्रति समान भाव रखना चाहिए। दूसरे धर्मों के प्रति समभाव रखने में धर्म का क्षेत्र व्यापक बनता है। हमारी धर्म के प्रति अंधता मिटती है। इससे हमारा प्रेम अधिक ज्ञानमय एवं पवित्र बनता है। यह बात लगभग असंभव है कि इस पृथ्वी पर कभी भी एक धर्म रहा होगा या हो सकेगा। हमें ऐसे धर्म की आवश्यकता है जो विविघ धर्मो में ऐसे तत्व को खोजे जो विविध धर्मों के अनुयायियों के मध्य सहनशीलता की भावना को विकसित कर सके।

हमें संसार के धर्मग्रंथों को पढ़ना चाहिए। हमें दूसरे धर्मो का वैसा ही आदर करना चाहिए जैसा हम दूसरों से अपने धर्म का कराना चाहते है। सत्य के अनेक रुप होते हैं। यह सिदान्त हमें दूसरे धर्मो को भली प्रकार समझने में मदद करता है। सात अंधों के उदाहरण में सभी अंधे हाथी का वर्णन अपने अपने ढंग से करते हैं। जिस अंधे को हाथी का जो अंग हाथ आया, उसके अनुसार हाथी वैसा ही था। जब तक अलग अलग धर्म मौजूद है, तब तक उनकी पृथक पहचान के लिए बाहरी चिन्ह की आवश्यकता होती है लेकिन ये चिन्ह जब आडंबर बन जाते है और अपने धर्म को दूसरे से अलग बताने का काम करने लगते हैं, तब त्यागने के योग्य हो जाते हैं। धर्मो का उद्येश्य तो यह होना चाहिए कि वह अपने अनुयायियों को अच्छा इंसान बनाए। ईश्वर से यह प्रार्थना करनी चाहिए - तू सभी को वह प्रकाश प्रदान कर, जिसकी उन्हे अपने सर्वोच्च विकास के लिए आवश्यकता है।

ईश्वर एक ऐसी रहस्यमयी शक्ति है जो सर्वत्र व्याप्त है। उस शक्ति का अनुभव तो किया जा सकता है, पर देखा नहीं जा सकता। हमारे चारों ओर हो रहे परिवर्तनो के पीछे ऐसी कोई शक्ति अवश्य है जो बदलती नहीं। वह शक्ति नया निर्माण एवं संहार करती रहती है। यह क्रम निरंतर चलता रहता है। यह जीवन देने वाली शक्ति ही परमात्मा है। उसी का अस्तित्व अंतिम है। मृत्यु के बीच जीवन कायम रहता है, असत्य के बीच सत्य टिका रहता है और अंधकार के मध्य प्रकाश स्थिर रहता है। इससे पता चलता है कि ईश्वर जीवन है, सत्य है और प्रकाश है। वह परम कल्याणकारी है।

क) उपर्युक्त गद्यांश के लिए शीर्षक लिखिए 1

ख) हमें सभी धर्मो के प्रति कैसा भाव रखना चाहिए और क्यो? 2

ग) हमें कैसे धर्मो की आवश्कता है? 2

घ) सत्य के अनेक रूप होते हैं - यह सिद्धान्त हमारे लिए क्यों आवशयक है इस सिद्धान्त को समझाने के लिए लेखक ने क्या उदाहरण दिया है ? 2

ड) धर्म के बाहरी चिन्हों की आवश्यकता कब होती है? ये त्यागने योग्य कब बन जाते हैं? 2

च) धर्मों का उद्देश्य क्या होना चाहिए? 2

छ) ईश्वर कैसी शक्ति है ? हमें उससे क्या प्रार्थना करनी चाहिए ? 2

ज) ईश्वर जीवन है, सत्य और प्रकाश है कैसे ? 2

प्रश्न 2 निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उतर दीजिए 1x5=5

कितना प्रामाणिक था उसका दुख

लड़की को दान मे देते वक्त

जैसे वही उसकी अंतिम पूंजी हो

लडकी अभी सयानी नहीं थी

अभी इतनी भोली सरल थी

कि उसे सुख का अभास तो होता था

लेकिन दुख बांचना नहीं आता या

पाठिका थी वह धुंधले प्रकाश की

कुछ तुकों और कुछ लयबद्ध पंक्तियों की

मां ने कहा पानी में झांककर

अपने चेहरे पर मत रीझना

आग रोटियां सेंकने के लिए है

जलने के लिए नहीं

वस्त्र और आभूषण शाब्दिक भ्रमों की तरह

बंधन है स्त्री जीवन के

मां ने कहा लड़की होना

पर लड़की जैसा दिखाई मत देना।

क) उपर्युक्त कविता में कौन, किसको शिक्षा दे रही है? 1

ख) लड़की के कन्यादान के अवसर पर मां को क्या अनुभूति हो रही थी? 1

ग) मां ने चेहरे के बारे में क्या समझाया? 1

घ) स्त्री जीवन में वस्त्र आभूषणों का क्या महत्व है ? 1

ड) अंत मे मां ने लड़की को क्या कहा और क्यों ? 1

प्रश्न 3. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर निबंध लिखिए 5

क) महानगरीय जीवन

ख) तकनीकी शिक्षा

ग) बाढ़ की समस्या

ध) भारतीय रेल

प्रश्न 4 भारतीय स्टेट बैंक की अनेक शाखाओं को कुछ कार्यालय सहायकों की आवश्यकता है आप एक योग्य उम्मीदवार हैं। बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक को अपनी उम्मीदवारी पेश करते हुए आवेदन पत्र लिखिए 5

अथवा

चुनाव में अंधाधुंध खर्च होने वाले पैसे पर नियंत्रण लगाने का निवेदन करते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त, निर्वाचन आयोग दिल्ली को आवेदन पत्र लिखिए

प्रश्न 5 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अभिव्यक्ति और माध्यम के आधार पर लिखिए 1x5=5

क) समूह संचार किसे कहते है?

ख) खोज परक पत्रकारिता किसे कहते है?

ग) बीट क्या है?

घ) पीत पत्रकारिता किसे कहते है?

ड) रेडियो की भाषा कैसी होनी चाहिए?

प्रश्न 6. मंहगाई की समस्या अथवा गांव में दूषित पानी की समस्या विषय पर एक फीचर तैयार कीजिए 5

प्रश्न 7. जन धन योजना अथवा गांवों से पलायन विषय पर आलेख तैयार कीजिए 5

खंड - ग

प्रश्न 8 . निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उतर दीजिए   2+2+2+2= 8

फिर फिर

बार बार गर्जन

वर्षण है मूसलाधार

हृदय थाम लेता संसार

सुन सुन धोर वज्र हुंकार

अशनि पात से शाभित उन्नत शत शत वीर

क्षत विक्षत हत अंचल शरीर

गगन स्पर्शी स्पर्घा धीर

हंसते है छोटे पौधे लधुभार

शस्य अपार

हिल हिल

खिल खिल

हाथ हिलाते

तुझे बुलाते

विप्लव रव ने छोटे ही है शोभा पाते

क) सर्वहारा वर्ग किस प्रकार अपनी प्रसन्नता व्यक्त कर रहे हैं?

ख) मूसलाधार वर्षण किसका प्रतीक है इससे आम लोगों के जीवन में किस प्रकार का परिवर्तन आएगा?

ग) अशनि पात से शाभित उन्नत शत शत वीर पंक्ति में किसकी ओर संकेत किया गया है और क्यों?

घ) विप्लव रव से आप क्या समझते हैं ? छोटे कौन हैं और वे किस प्रकार शोभा पाते हैं?

अथवा

हो जाए न पथ में रात कहीं

मंजिल भी तो है दूर नहीं

यह सोच थका दिन का पंथी भी जल्दी जल्दी चलता है

दिन जल्दी जल्दी ढलता है

बच्चे प्रत्याशा में होंगे

नीडों से झांक रहे होंगे

यह ध्यान परों में चिडियों के भरता कितना चंचलता है

दिन जल्दी जल्दी ढलता है

क) पंथी क्या सोच रहा है और क्यों?

ख) बच्चे नीडों से क्यों झांकते होंगे?

ग) कवि को किस बात की चिंता है और क्यों?

घ) चिड़िया चंचल क्यों हो रही है?

प्रश्न 9 निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उतर लिखिए 2x3=6

सबसे तेज बौछारें गई भादों गया

सवेरा हुआ

खरगोश की आंखों जैसा लाल सवेरा

शरद आया पुलों को पार करते हुए

अपनी नयी चमकीली साइकिल तेज चलाते हुए

घंटी बजाते हुए जोर जोर से

चमकीले इशारों से बुलाते हुए

पतंग उड़ाने वाले बच्चों के झुण्ड को

क) शरद ऋतु के आने के चित्र की सुंदरता स्पष्ट कीजिए

ख) काव्यांश में प्रयुक्त अलंकार सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए

ग) काव्यांश में प्रयुक्त बिम्ब का सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए

अथवा

बहुत काली सिल जरा से लाल केसर से कि जैसे धुल गई हो

स्लेट पर या लाल खड़िया चाक

मल दी हो किसी ने

नील जल में या किसी की

गौर झिलमिल देह

जैसे हिल रही हो

क) उत्प्रेक्षा अलंकार के दो उदाहरण चुनकर लिखिए

ख) कविता के भाषिक सौन्दर्य पर टिप्पणी कीजिए

ग) काव्यांश का भाव सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए

प्रश्न 10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उतर लिखिए 3+3= 6

क) रोपाई क्षण की, कटाई अनंनता की

पंक्ति के भाव को कविता के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए

ख) परदे पर वक्त की कीमत है कहकर कविता ने संवेदनहीन व्यवस्था को किस प्रकार स्पष्ट किया है

ग) कविता और बच्चे को कविता के बहाने कविता में समानांतर रखने के क्या कारण हो सकते है

प्रश्न 11. निम्नलिखित गद्यांश को पढकर पूछे गए प्रश्नों के उतर लिखिए

यह विडंबना की ही बात है कि इस युग में भी जातिवाद के पोषकों की कमी नही है। इसके पोषक कई आधारों पर इसका समर्थन करते हैं। समर्थन का एक आधार यह कहा जाता है कि आधुनिक सभ्य समाज कार्य कुशलता के लिए श्रम विभाजन को आवशयक मानता है और चूंकि जाति प्रथा भी श्रम विभाजन का ही दूसरा रूप है इसलिए इसमें कोई बुराई नहीं है। इस तर्क के संबंध मे पहली बात तो यही आपतिजनक है कि जाति प्रथा श्रम विभाजन के साथ साथ श्रमिक विभाजन का भी रुप लिए हुए है। श्रम विभाजन निश्चय ही सभ्य समाज की आवश्यकता है परंतु किसी भी सभ्य समाज में श्रम विभाजन की व्यवस्था श्रमिकों का विभिन्न वर्गों में अस्वाभाविक विभाजन नही करती। भारत की जाति प्रथा की एक और विशेषता यह है कि यह श्रमिकों का अस्वाभाविक विभाजन ही नहीं करती बल्कि विभाजित विभिन्न वर्गों को एक दूसरे की अपेक्षा ऊंच नीच भी करार देती है, जो कि विश्व के किसी भी समाज में नहीं पाया जाता।

क) लेखक किस बात को विडंबना मानता है और क्यों ? 2

ख) भारत की जाति प्रथा विश्व से अलग कैसे है ? 2

ग) जातिवाद का समर्थन किन आधारों पर किया जाता है ? 2

घ) लेखक जातिवाद को आपत्तिजनक क्यों मानता है ?
2

अथवा

पिता का उस पर अगाघ प्रेम होने के कारण स्वभावतः ईषर्यालु और संपत्ति की रक्षा में सतर्क विमाता ने उनके मरणांतक रोग का समाचार तब भेजा, जब वह मृत्यु की सूचना भी बन चुका था। रोने पीटने के अपशुकन से बचने के लिए सास ने भी उसे कुछ न बताया। बहुत दिन से नैहर नहीं गई, सो जाकर देख आवे, यही कहकर और पहना उढ़ाकर सास ने उसे विदा कर दिया। इस अप्रत्याशित अनुग्रह ने उसके पैरो में जो पंख लगा दिए थे, वे गांव की सीमा में पहुंचते ही झड़ गए। हाय, लछिमन अब आई, की अस्पष्ट पुनरावृतियां और स्पष्ट सहानुभूतिपूर्ण दृष्टियां उसे घर तक ठेल ले गई। पर वहां न पिता का चिन्ह शेष था , न विमाता के व्यवहार में शिष्टाचार का लेश था।

क) भक्तिन को पिता की मृत्यु का समाचार देर से क्यों मिला ? 2

ख) सास द्वारा भक्तिन को विदा करने को अप्रत्याशित अनुग्रह क्यों कहा गया है ? 2

ग) पंख लगाने और झड़ने के भाव को स्पष्ट कीजिए । 2

घ) हाय लछिमन अब आई - में निहित करुणा तथा सहानुभूति को स्पष्ट कीजिए । 2

प्रश्न 12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार प्रश्नों के उतर लिखिए । 3*4= 12

क) पर्चेजिंग पावर से आप क्या समझते हैं बाजार की चकाचौंध से दूर पर्चेजिंग पावर का सकारात्मक उपयोग किस प्रकार किया जा सकता है?

ख) विभाजन के अनेक स्वरुपों में बंटी जनता को मिलाने की अनेक भूमियां हो सकती हैं - रक्त संबंध, विज्ञान, साहित्य व कला। इनमें कौन सबसे ताकतवर है और क्यों ?

ग) लुट्टन सिंह पहलवान की कीर्ति दूर दूर तक कैसे फैल गई ?

घ) जीजी ने इंदर सेना पर पानी फेंके जाने को किस तरह सही ठहराया ?

ड) लेखक ने शिरीष को कालजयी अवधूत की तरह क्यों माना है ?

प्रश्न 13. ऐन की डायरी एक ऐतिहासिक दस्तावेज होने के साथ-साथ भावनाओं की उथल पुथल की अभिव्यक्ति भी है - कैसे ? 5

प्रश्न 14. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उतर लिखिए 2x5= 10

क) जूझ का कथानायक किशोर विद्यार्थियों के लिए एक आदर्श प्रेरणास्रोत है- कहनी के आधार पर स्पष्ट कीजिए

ख) यशोधर बाबू की कहानी को दिशा देने में किशन दा की क्या भूमिका रही ?

ग) सिंधु सभ्यता की खूबी उसका सौन्दर्य बोध है जो राज पोषित या धर्म पोषित न होकर समाज पोषित था - कैसे ?

प्रतिदर्श प्रश्न पत्र- अंक योजना

(२०१६ - २०१७)

कक्षा - बारहवीं

हिंदी केन्द्रित

अपेक्षित मूल्यांकन

(अपठित अंश)

उत्तर 1.

क) 'धर्म का स्वरुप'- अन्य उपयुक्त शीर्षक भी स्वीकार्य 1

ख) समान भाव

- धर्म का वास्तविक अर्थ समझना
- उसकी व्यापकता, पवित्रता आदि समझना 2

ग) विविध धर्मो में निहित सहनशीलता की भावना को अनुयायियों तक पहुंचाना 2

घ)

- दूसरे धर्मो को समझने में मदद करता है।
- सात अंधों की कहानी सुनाकर 2

ङ)

- धर्मो की अलग अलग पहचान करने के लिए
- आडंबर की अधिकता तथा अपने अपने धर्म को श्रेष्ठ बनाने की होड 2

च) अपने अनुयायियों को अच्छा इंसान बनाना 2

छ)

- रहस्यमयी शक्ति
- अपने जीवन को विकसित करने की प्रार्थना 2

ज)

- ईश्वर सर्वशक्तिमान है
- सत्य और असत्य के भेद को समझने में आसानी आदि। 2

उत्तर 2 1x5=5

क) मां बेटी को शिक्षा दे रही है।

ख) लडकी के सुख दुख और भविष्य की चिंता।

ग) अपनी सुंदरता पर खुश नही होना।

घ) जीवन के बंधन एवं भ्रम

ड) लड़की जैसा दिखाई मत देना

क्योकि कमजोर, दब्बू और सहनशील होकर इस समाज में नही रहा जा सकता ।

उत्तर 3. 05

भूमिका - 1

विषयवस्तु - 03

भाषा - 1

उत्तर 4. आरंभ और अंत की औपचारिकता -01 05

विषयवस्तु - 03

भाषा - 1

उत्तर 5 1X5=5

क) भीड़, सभा, समूह को संबोधित करना।

ख) सरकारी या गैर सरकारी क्षेत्र मे व्याप्त भ्रष्टाचार को तथ्यों के साथ जनता के सामने प्रस्तुत करना।

ग) किसी संवाददाता का वह निर्धारित क्षेत्र जिसकी वह रिपोर्टिंग करता है।

घ) सनसनीखेज या किसी की मानहानि करने के उद्देश्य से की जाने वाली पत्रकारिता।

ड) सरल, सहज

आम जनता के अनुकूल

उत्तर 6. विषयवस्तु - 03 5

भाषा - 01

प्रस्तुति - 01

उत्तर 7. विषयवस्तु - 03 5

भाषा - 01

प्रस्तुति - 01

खंड - ग

उत्तर 8 . 2X4= 8

क) नाचते गाते, हंसते, हाथ हिलाते प्रसन्नता व्यक्त करते हुए

ख) क्रांति तथा जनान्दोलन का समाज में बराबरी का अधिकार, शोषण से मुक्ति

ग) पूंजीपतियों की ओर

बिजली गिरने अर्थात क्रांति होने पर

शोषको को पराजित करना

शोषितों को अधिकार प्राप्त होना

घ) क्रांति तथा विद्रोह का स्वर

कृषक, मजदूर सर्वहारा वर्ग

अपने नेता को देखकर आशा का संचार परिवर्तन की उम्मीद प्रबल

क) जीवन के पथ पर अंधेरा छाने का भय

लक्ष्य तक पहुंचना अनिवार्य

अपनों से मिलने की आशा

ख) उम्मीद रुपी पिता माता की प्रतीक्षा में अपनी भूख मिटाने, माता पिता से मिलने की आशा में।

ग) अपने बच्चे से मिलने की चिंता

समय पर घर पहुंचने की चिंता

घ) घोंसलों में पहुंचने की चिंता से

अपने बच्चे से मिलने की चिंता से

उत्तर 9

क) शरद ऋतु का एकाएक आगमन 2 X 3= 6

वर्षा के बाद की प्रकृति की सुंदरता

आकर्षक, मनोहारी तथा स्फूर्ति से भरपूर

ख) उत्प्रेक्षा अलंकार

उपमा

ग) चित्र बिंब

गति बिंब

अथवा

क) बहुत काली सिल जरा से लाल केसर से कि जैसे धुल गई हो

गौर झिलमिल देह जैसे हिल रही हो।

ख) सहज सरल बोलचाल की भाषा द्वारा जीवंत चित्र प्रस्तुत किया गया है।

ग) कवि ने धीरे धीरे सूर्योदय होने की स्थिति का चित्रण किया है। दृश्य बिम्ब के माध्यम से स्थिति को स्पष्ट किया गया है।

उत्तर 10. 3+3= 6

क) कवि अपने हृदय रुपी खेत में भावनाओ का बीज क्षण मात्र में बोता है

पौधे रुपी कविता उत्पन्न होती है

पाठक अनंत समय तक उस भावना के साथ जुडता रहता है।

ख) अपाहिज व्यक्ति को बाजार को हथियार बनाना, उसकी भावनाओं को बेचना

बाजार को उत्पादन की बिक्री से मतलब है

व्यवस्था प्रत्येक वस्तु को मुनाफा और नुकसान में देखती है।

ग) कविता और बच्चे निर्दोष होते है

भावनाएं प्रमुख होती है

दोनों हृदय के करीब होते है।

उत्तर 11. 2X4= 8

क) आधुनिक युग में बहुत से लोगों द्वारा जातिवाद को मानना विडंबना

गैर बराबरी से मुक्त होकर ही समाजिक न्याय की स्थापना तथा समाज का विकास संभव।

ख) श्रमिकों का अस्वभाविक विभाजन

विभाजित वर्ग में ऊंच नीच की भावना

श्रमिकों को भी जातिवाद में बांटना।

ग) कार्य कुशलता के लिए विभाजन को आवश्यक मानना।

जाति प्रथा श्रम विभाजन का दूसरा रुप।

घ) जाति प्रथा श्रम विभाजन के साथ साथ श्रमिकों का विभाजन करता है।

सभ्य समाज के लिए श्रमिक विभाजन उचित नहीं।

अथवा

क) सौतेली माता को संपत्ति विभाजन का भय

पिता का भक्तिन पर प्रेम की वजह से विमाता को भक्तिन से द्वेष।

ख) सास द्वारा प्यार से नैहर भेजना

हर बात पर लड़ने वाली सास प्यार से तैयार कर के भेजने के लिए तैयार थी।

ग) पंख लगाने से भक्तिन के मन को उत्साह मिलता है

पिता का मृत्यु की सूचना से उत्साह का शोक में बदलना - पंख झडने के समान।

घ) गांव के लोगो द्वारा भक्तिन को देखकर सहानुभूति व्यक्त करना।

पिता के मरने के बाद पहुंचने वाली भक्तिन के प्रति करुणा की भावना।

उत्तर 12. 3X4= 12

क) खरीदने की शक्ति

बाजार से बिना आकर्षित हुए अपने लक्ष्य तक पहुंचना और वापस आना।

'भगत चूरन वाला' का उदाहरण अपेक्षित ।

ख) विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत तर्क एवं अभिव्यक्ति के आधार पर मूल्यांकन।

ग) चांद सिंह को पछाडने के बाद

राजा साहब द्वारा पुरस्कृत

लुट्टन का राज पहलवान होने से। आदि

घ) बीज का उदाहरण देकर

तीस चालीस मन गेहूं उगाने के लिए पांच छह सेर गेहूं जमीन में फेंकना पड़ता है।

ऋषि-मुनियों की उक्ति का उदाहरण

ड) प्रत्येक मौसम में हरा भरा लहराता

कठिन परिस्थितियों में भी मुस्कराते हुए जीना।

उत्तर 13. पाठ के संदर्भ में विद्यार्थियों की समझ तथा अभिव्यक्ति के संदर्भ में। 5

उत्तर 14. 2X5= 10

क) नायक के परिश्रम, साहस तथा लगन से प्रेरणा।

विभिन्न संदर्भो का उदाहरण अपेक्षित।

ख) किशन दा से यशोधर बाबू प्रभावित

उनके मूल्यों पर चलने का प्रयास।

यशोधर बाबू को गांव से शहर लाकर स्थापित करना, उनका जीवन बनाना।

प्रत्येक अवसर पर किशन दा का याद आना।

ग) सिंधु सभ्यता लोकतंत्र का अच्छा उदाहरण

सिंधु सभ्यता की खूबी उसका सौन्दर्य बोध

वास्तुकला, नगर नियोजन, धातु और पत्थर की मूर्तियो तथा लिपि से पता चलता है।

बाह्य आडंबर नही, कला और सुरुचि का महत्व

दिखाने की संस्कृति न होने से आदि।